<u>संदेश</u>

गुरु नानक देव की जयंती पर उनके जीवन उपदेशों का स्मरण करते हुए, मैं सिख समुदाय के अनुयायियों सहित समस्त देशवासियों को इस पवित्र दिवस की शुभकामनाएं देता हूं।

गुरु नानक का जीवन हमें आपसी प्रेम और सदभावना की सीख देता है। उन्होने हमें 'इक ओंकार सतनाम' का मंत्र दिया, जो – ईश्वर एक है – की धारणा को दर्शाता है।

प्रेम, शांति और करुणा के जीवन-मूल्यों पर जोर देते हुए, गुरु नानक देव मानव सेवा को ईश्वर की सेवा के समान समझते थे। "वन्द चाको – सबके साथ बांटो, किरत करो – ईमानदार जीवन जियो और, नाम जपो – हमेशा ईश्वर को याद करो" जैसे उनके उपदेशों में उनकी शिक्षाओं का सार स्पष्ट दिखाई देता है।

आइए, हम सब गुरु नानक देव के द्वारा बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लें और देश तथा समाज के कल्याण के लिए कार्य करें।

****